

.....DEPARTMENT
.....BRANCH
.....Controlling Agency

CONSULTATION.....

No.....

Subject.....

Gyaneshwar Dargal - PKM

Feb 6.1952

Previous reference

Later reference

N. A. I-1.

GIPNLK-1/DAND/67-26-11-68-52,000.

श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान्

I/39

(Aligarh)

1/1/52

श्रीमान् श्रीमान् श्रीमान्

आपका दि० 28-1-52 का राज पत्र मिला था। पत्र पढ़ा।
 निरस्त रूप से तथा आपके पत्र से पुस्तक प्रार्थना प्राप्त होने के
 पश्चात् ही आता था। उसी में आपसे प्रार्थना की थी कि
 आपका साक्षात्कार की राह प्राप्त हो सके (V.P.P. में)
 वीरेंद्र चन्द्रा मंगलम् तथा सोच रहे इसी में जाई लो इस
 पुस्तक प्रार्थना के फल में लगाते।

आपसे आज 92 दिन का कोई उत्तर नहीं मिला है पश्चात्
 रीति सोच रहे। सम्भवतः पत्र आपके न मिले।
 यह पुनः स्मरण पत्र भेज रहा हूँ। यदि मिलता है तो

३ मे ५६-५७ उदा. में। तथा
 मध्ययुग की रचनाएँ मंगल
 सभ्य उद्यम रचना प्राति प्राचीन
 युद्धों की अपने विचारों के
 युद्धविचारों हेतु आवश्यक रखें।
 आते हैं। मंगल आसपास
 मध्ययुग की पुस्तकें उपलब्ध नहीं
 हो सकीं। अपने पुस्तकें अपने पास
 रखें। पुस्तकें ले-चढ़ें। (परीक्षा ५.११)
 में विचारों को रखें। आते हैं।
 होनी-

आपकी पुस्तकें
 आते हैं। दयालुता से
 मध्ययुग, Arjun Culture
 Post. Alauddin Academy, Haryana.

POST CARD
 REPLY. BUY
 ADDRESS ONLY



श्रीधर पं. पद्मवन्त मालवीय

मध्ययुग प्रस

प्रयाग

ALLAHABAD